हिन्दी Hindi Class 12 Important Question Chapter 2 गीत गाने दो मुझे / सरोज स्मृति

1 . इस कविता में कवि हमें क्या करने की प्रेरणा देता है ?

उत्तर: कविता 'गीत गाने दो मुझे' में कवि हमको निरंतर संघर्ष करने की प्रेरणा देते हैं ।

2. गीत गाने दो मुझे तो,

वेदना को रोकने को। इन पंक्तियों का भावार्थ लिखिए ।

उत्तर : कवि ने इन पंक्तियों में अपनी वेदना को कम करने के लिए गीत गाने का आवेदन किया है। वह अपने जीवन से संघर्ष करते–करते थक गए हैं। इस कारण वह अत्यंत दुखी हैं। अपने दुःख को कम करने के लिए वे गीत गाना चाहते हैं।

3. कवि क्यों दुखी है ?

उत्तर: कवि के परिवार वाले उनका साथ छोड़कर कर जा रहे हैं अर्थात् धीरे – धीरे सबकी मृत्यु हो रही है और समाज के जो पूंजीपति लोग हैं, वो लोग उनकी कविता को छपने नहीं देते है ।

4. कवि संसार से क्यों दुखी है ?

उत्तर: कवि कहते हैं कि आज के लोग इतने ज्यादा स्वार्थी हो गए हैं कि कोई एक दूसरे की मदद तक नहीं करना चाहता है और कोई किसी को आगे बढ़ते हुए भी नहीं देखना चाहता है । इसलिए कवि संसार से दुखी है ।

5. कवि किसको समाज का दुश्मन मानते हैं ?

उत्तर: कवि समाज में रहने वाले लोगों को ही समाज का दुश्मन मानता है । वह कहते हैं कि समाज ऐसा हो गया है कि अगर कोई सड़क पर गिर गया है तो लोग उसकी मदद करने के बजाय उसकी फोटो खींचते रहते हैं ।

6. 'गीत गाने दो मुझे' में क्या विशेष है ?

उत्तर: 'गीत गाने दो मुझे' कविता में विशेष है –

1. अनुप्रास अलंकार का सुंदर प्रयोग किया गया है ।

2. खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है ।

3. कविता में संगीतात्मकता है ।

4. यह छंद मुक्त कविता है ।

7. 'आकाश बदलकर बना मही' में आकाश और मही शब्द किन की ओर संकेत करते हैं ?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर: आकाश कवि की स्वर्गीय पत्नी की ओर तथा मही नववधू के रूप में सजी कवि की पुत्री की ओर संकेत करते हैं। कवि की पुत्री विवाह पर बहुत सुंदर लग रही थी, कवि को लगता था कि मानो उसकी पत्नी का अलौकिक सौंदर्य आकाश से उतरकर धरती पर सरोज के रूप में उतर आया हो। पुत्री सरोज रति जैसा सौंदर्य कवि को उसकी पत्नी बहुत की याद दिला रहा है।

8. चोट खाकर राह चलते

होश के भी होश छूटे,

हाथ जो पाथेय थे, ठग-

ठाकुरों ने रात लूटे,

इन पंक्तियों का भावार्थ लिखिए ।

उत्तर: कवि ने इन पद्यांश में अपनी पीड़ा को कम करने के लिए गीत गाने का आवेदन किया है। वो अपने जीवन से संघर्ष करते करते थक गए हैं। इस कारण वह बहुत दुखी हैं। अपने दुःख को कम करने के लिए वे गीत गाना चाहते हैं ।

9. कंठ रूकता जा रहा है,

आ रहा है काल देखो। इन पंक्तियों का भावार्थ लिखिए ।

उत्तर : कवि ने इन पंक्तियों में कहा हैं कि जिन कारणों के वजह से वह जी रहे थे, अब उन सहारों को भी छल कपट से पूंजीपतियों ने छीन लिया है। अब उनके पास जीवन जीने की कोई वजह नहीं है। अब आगे निराला जी कहते हैं कि उसका कंठ रुकता जा रहा है। मानो ऐसा प्रतीत होता है कि उनका अंत करीब आ गया है ।

10.भर गया है ज़हर से

संसार जैसे हार खाकर,

देखते हैं लोग लोगों को,

सही परिचय नहीं पाकर, इन पंक्तियों का भावार्थ लिखिए ।

उत्तर: इन पंक्तियों में निराला जी इस जगत में रहने वाले लोगों का एक दूसरे के प्रति व्यवहार का बखान कर रहे हैं और कह रहे हैं कि यह जगत जहर से भर गया है अर्थात् लोग एक दूसरे को आगे बढ़ते नहीं देखना चाहते हैं । कवि कहते हैं कि जगत में अब भाईचारे की भावना खत्म हो गयी है । अब लोग एक दूसरे को अनजान नजरों से देखते हैं अर्थात् कोई एक दूसरे की मदद तक नहीं करना चाहता है ।

11. कविता 'सरोज स्मृति' के माध्यम से कवि क्या व्यक्त करना चाहता हैं ?

उतर: सरोज स्मृति कविता निराला की दिवंगत पुत्री सरोज पर अधारित हैं। ये कविता बेटी की मृत्यु पर पिता का विलाप है । पिता के इस विलाप में कवि को कभी शकुन्तला की याद आती है ,कभी अपनी स्वर्गीय पत्नी की। बेटी के रुप रंग में पत्नी का रुप रंग दिखाई देता है ,जिसका चित्रण निराला ने किया हैं ।

https://www.evidyarthi.in/

12. इस पंक्ति की सुंदरता को स्पष्ट करें 'जल उठे फिर सींचने को' ।

उत्तर: कवि इन पंक्तियों के माध्यम से लोगों को दुख और निराशा से निकलने की प्रेरणा देते हैं । कवि के अनुसार मनुष्य को एक बार फिर निराशा और दुख से उभारने का प्रयास करना चाहिए। यह कविता लोगों का मनोबल बढ़ाती है और साथ ही साथ लोगों को संघर्ष करने और लड़ने की प्रेरणा देती है। इसीलिए कवि कहते हैं कि "जल उठो फिर सींचने को" ।

13.'ठग-ठुकरों' से कवि का क्या तात्पर्य हैं?

उत्तर: 'ठग – ठुकरों' शब्द के माध्यम से कवि लोगों को समाज के धोखेबाज लोगों से बचने की सलाह देते हैं। कवि का तात्पर्य है कि समाज में गद्दार फैले हुए हैं। गरीब किसानों और मजदूरों को अपना शिकार बनाते हैं और चालबाज लगातार गरीब किसानों और मजदूरों का शोषण करते हैं। गरीब किसानों और श्रमिकों का जीवन नरकीय बनाते हैं ।

14. कविता के अनुसार अपने शब्दों में सरोज के नए नवेले रूप का वर्णन करें ।

उत्तर: कवि निराला अपनी कविता 'सरोज स्मृति' में अपनी पुत्री सरोज के विवाह के समय अपनी पत्नी की सुंदरता अपनी बेटी में देखते हैं और कवि कहते हैं कि जब वह हल्के से हंसती है तो ऐसा लगता है जैसे दामिनी उसके होंठों के बीच फंसी हुई है और खुशी के कारण उसकी आंखों में चमक भी आ जाती है । वह रूप और गुणों में अपनी माँ की एकदम छाया लगती है। जैसे नवविवाहित दुल्हन की आँखे लज्जा और शर्म से झुक जाती है, ठीक उसी प्रकार निराला जी की बेटी की आँखे भी झुकी हुई है और आँखों की चमक होठों पर धीरे-धीरे फैल रही है ।

15. ज़हर से भरे संसार ने कैसे हार खा ली और लोग दूसरे लोगों को क्यों देखते हैं और सही परिचय नहीं पाते?

उत्तर: संसार जैसे ज़हर से भर गया है क्योंकि लोग आपस में द्वेष, अन्याय और संघर्ष के बीच खो गए हैं। लोग दूसरों को देखते हैं क्योंकि वे समाज में अपनी जगह ढूंढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सही परिचय नहीं पा रहे हैं।

16. पृथा की लौ कैसे बुझ गई है और हमें क्या करना चाहिए?

उत्तर: पृथा की लौ बुझ गई है क्योंकि हम अपनी मूल धार्मिक और सामाजिक मूल्यों को भूल गए हैं। हमें पुनः सींचने के लिए उठना चाहिए और अपनी संस्कृति और मूल्यों को पुनः प्रवर्तित करना चाहिए।

https://www.evidyarthi.in/